महिलाओं के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने की जरूरत: मेनका

नई दिल्ली में बुधवार को एसोचैम के एक कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी और अन्य। फोटो : नीरज कुमार

नई दिल्ली, 8 जुलाई (ब्यूरो): एसोचैम इंडिया एवं कॉम्पलाई करो सर्विसेज की ओर से 'कार्यस्थल पर महिलाएं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्किल इंडिया प्रोग्राम की सराहना करते हुए उद्योग जगत से अपील की कि वह कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसब्लिटी (सीएसआर) का दस फीसदी हिस्सा महिलाओं के स्किल डेवलपमेंट पर खर्च करें। परिचर्चा में यह बात भी सामने आई कि तमाम कामकाजी महिलाओं में महिला कानून के प्रति जागरूकता का अभाव है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कंपनी एक्ट के तहत बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर में एक महिला को जोड़ने के नियम का सही मायने में पालन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यस्थल पर 10 लोगों के काम करने पर आंतरिक अनुपालन समिति (आईसीसी) लागू करना अनिवार्य है। मेनका गांधी ने कहा कि तमाम प्रयास के बावजूद कार्यस्थल पर

सीएसआर का 10 फीसद महिलाओं के स्किल डेवलपमेंट पर खर्च करने की अपील

महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामले बढ़े हैं, जिस पर लगाम लगाने के लिए मंत्रालय की ओर से हर संभव प्रयास किया जा रहा है। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित रखना प्रबंधन के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों की भी जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ललिता कुमार मंगलम ने कहा कि अधिकतर महिलाएं पहले बच्चे के जन्म के बाद कंपनी की ओर से बेहतर सहयोग नहीं मिलने की वजह से नौकरी छोड़ देती हैं। यह अपने आप में चिंता का विषय है। एसोचैम की सीएसआर की अध्यक्ष प्रीती मल्होत्रा ने 'कार्यस्थल पर महिलाएं' के पूरे एजेंडे को प्रस्तुत करते हुए कहा कि तमाम क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी कम होने की एक मुख्य वजह महिला कानूनों का सख्ती से पालन नहीं होना है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में आंतरिक अनुपालन समिति को मजबूत करने के साथ ही इस कानून के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। कॉम्पलाई करो सर्विसेज के प्रमुख विशाल कोडिया ने कहा कि राजस्थान को छोड़कर आंतरिक अनुपालन समिति का अन्य राज्यों में अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वुमेन (आईसीआरडब्ल्यू) के संस्थापक एवं निदेशक डा. रवि वर्मा ने कहा कि 18 फीसदी महिलाओं को अनुकूल वातावरण नहीं होने की वजह से नौकरी छोड़नी पड़ती है, जबकि 28 फीसदी महिलाएं कार्यस्थल के माहौल से संतुष्ट होने की बात कहती हैं। यस बैंक की इग्जीक्यूटिव वाइस प्रसीडेंट नीरजा सिंह ने भी देश के बेहतर कल के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं को बेहतर वातावरण देने की बात कही। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की अतरिक्त सचिव प्रीती सूदन, ट्री हाऊस एजुकेशन के प्रमुख राजेश भाटिया समेत तमाम लोग मौजूद रहे।